DATE 11.11.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B. CHD.

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('मुहावरे' आपे से बाहर होना से खून पसीना एक करना तक)
(पृष्ठ 136-137)
पुस्तक - वीवा हिंदी व्याकरण - 7

सुप्रभात प्यारे बच्चो!
आज हम कक्षा सातवीं की हिंदी व्याकरण की पुस्तक वीवा - 7 के पृष्ठ - 136-137 पर दिए मुहावरों को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 11.11.24 को भेजा जा रहा है।
बच्चो! हम बातचीत और लेखन में अनेक ऐसे वाक्यांशों का प्रयोग करते हैं, जिनसे साधारण से अलग विशेष अर्थ प्राप्त होता है। ऐसे वाक्यांशों को 'मुहावरे' कहते हैं। ये मुहावरे लोक जीवन में वर्षों से प्रचलित हैं; जैसे:-

* दुर्घटना में घायल बच्चों को देखकर राम के 'होश उड़ गए'।
* नेल्सन मंडेला के स्वागत में भारतीय जनता 'आँखें बिछाए' खड़ी थी।
* पुलिस ने घेराबंदी करके चोरों की 'नाक में दम' कर दिया।
* सीटी बजते ही पी. टी. उषा हवा से बातें करने लगी।

ऊपर दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त वाक्यांश अपने साधारण अर्थ से अलग अर्थ देते हैं। इनके प्रयोग से वाक्यों में सरसता आ गई है। इससे स्पष्ट है कि मुहावरे भाषा को सरस, आकर्षक और प्रभावशाली बनाने में बहुत उपयोगी हैं। इसलिए मुहावरों के अर्थ को समझना चाहिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका वाक्यों में प्रयोग कर सकें।
सब बच्चे अपनी पुस्तक का पृष्ठ-1 खोलें। मैं अब आपको कुछ मुहावरे कराऊँगी। सब बच्चे ध्यान से पढ़ेंगे, समझेंगे और लिखेंगे। पहले सत्र में हम 1-2 कर चुके हैं।

26. आपे से बाहर होना (अर्थ:- बहुत क्रोधित होना)
वाक्य:- बेटे को चोरी करते देख पिताजी आपे से बाहर हो गए।

Scanned with CamScanner

DATE 11.11.24
PAGE No 2

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('मुहावरे' पृष्ठ- 136 से 137 तक)

27. नमक मिर्च लगाकर कहना (अर्थ:- बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना)
वाक्य:- टी.वी. खबर चैनल किसी बात को बहुत नमक मिर्च लगाकर दिखाते हैं।

28. आसमान से बातें करना (अर्थ:- बहुत ऊँचा होना)
वाक्य:- आजकल की इमारतें तो आसमान से बातें करती हैं।

29. ईंट का जवाब पत्थर से देना (अर्थ:- करारा जवाब देना)
वाक्य:- कारगिल के युद्ध में भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी सैनिकों की ईंट का जवाब पत्थर से दिया।

30. ईंट से ईंट बजाना (अर्थ:- पूरी तरह से नष्ट कर देना)
वाक्य:- युद्ध के मैदान में भारतीय सैनिकों ने दुश्मन की सेना की ईंट से ईंट बजा दी।

31. ईद का चाँद होना (अर्थ:- बहुत दिनों बाद दिखाई देना)
वाक्य:- क्या बात है रोहन, तुम तो ईद का चाँद हो गए हो, दिखाई ही नहीं देते।

32. उँगली पर नचाना (अर्थ:- अपने वश में करना)
वाक्य:- रमेश अपने मित्र उमेश को सदैव अपनी उँगली पर नचाता रहता है।

33. उन्नीस - बीस का अंतर (अर्थ:- बहुत कम अंतर होना)
वाक्य:- दोनों जुड़वाँ भाइयों में उन्नीस - बीस का अंतर है।

Scanned with CamScanner

कक्षा- सातवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी व्याकरण ('मुहावरे' पृष्ठ-136-137)

34. उल्टी गंगा बहाना (अर्थ:- विपरीत कार्य करना)
वाक्य:- रोहन कभी भी सही कार्य नहीं करता, सदैव उल्टी गंगा बहाता है।

35. उल्टी-सीधी सुनाना (अर्थ:- बुरा-भला कहना)
वाक्य:- कुछ लोग छोटी-सी गलती होने पर उल्टी-सीधी सुनाने लगते हैं।

36. एक ही थैली/थाली के चट्टे-बट्टे होना (अर्थ:- एक समान होना)
वाक्य:- इस कक्षा के सभी बच्चे बहुत शैतान हैं। सभी एक ही थैली/थाली के चट्टे-बट्टे हैं।

37. एड़ी चोटी का जोर लगाना (अर्थ:- पूरी कोशिश करना)
वाक्य:- कितना भी एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा लो पर यहाँ चापलूसों की दाल नहीं गलेगी।

38. एक और एक ग्यारह होना (अर्थ:- संगठन में बल होना)
वाक्य:- मेरी मानो मिलकर काम करो क्योंकि एक और एक ग्यारह होते हैं।

39. कंधे से कंधा मिलाना (अर्थ:- सहयोग करना)
वाक्य:- देश की प्रगति के लिए हमें कंधे से कंधा मिलाकर काम करना होगा।

40. कमर कसना (अर्थ:- तैयार रहना)
वाक्य:- जवानो! शत्रु पर आक्रमण करने के लिए कमर कस लो।

41. कमर टूटना (अर्थ:- थक जाना)
वाक्य:- लगातार काम करते-करते मेरी तो कमर ही टूट गई है।

Scanned with CamScanner

DATE 11.11.24
PAGE No. 4

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('मुहावरे' पृष्ठ - 136-137)

42. कलेजा फटना (अर्थ:- असहनीय दुख होना)
वाक्य:- रेल दुर्घटना में पीड़ित घायलों को देख मेरा कलेजा फट गया।

43. कलेजे पर पत्थर रखना (अर्थ:- धीरज रखना)
वाक्य:- अपने इकलौते बेटे की मृत्यु होने पर माता-पिता को कलेजे पर पत्थर रखना जीना पड़ा।

44. कान पर जूँ न रेंगना (अर्थ:- कोई असर न होना)
वाक्य:- मैंने शुभम् को बहुत समझाया कि परीक्षा नज़दीक है, पढ़ाई कर लो, पर उसके कान पर जूँ न रेंगी।

45. कानों कान खबर न होना (अर्थ:- बिल्कुल खबर न होना)
वाक्य:- शिवाजी मुगल दरबार से भाग निकले और किसी को कानों कान खबर भी न हुई।

46. काया - पलट होना (अर्थ:- पूरी तरह बदलाव होना)
वाक्य:- पाँच वर्ष बाद दुबई से लौटने पर अमन की तो काया ही पलट गई है।

47. किताबी कीड़ा (अर्थ:- पढ़ाकू, हर समय पढ़ने वाला)
वाक्य:- अरे मुकुल! थोड़ा खुली हवा में भी खेला करो, तुम तो बिलकुल किताबी कीड़े बनते जा रहे हो।

Scanned with CamScanner

DATE 11.11.24
PAGE No 5

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी व्याकरण ('मुहावरे' पृष्ठ - 136 - 137)

48. कोल्हू का बैल (अर्थ:- लगातार काम करना)
वाक्य:- मजदूर अपने परिवार को पालने के लिए कोल्हू के बैल की तरह दिन-रात काम करते हैं।

49. खून का घूँट पीना (अर्थ:- क्रोध को पीना)
वाक्य:- भरी सभा में द्रौपदी का अपमान होने पर सभी पांडव खून का घूँट पीकर रह गए।

50. खून पसीना एक करना (अर्थ:- बहुत परिश्रम करना)
वाक्य:- हर्षित ने अपना खून पसीना एक करके यह घर बनवाया है।

बच्चो! आज हमने सभी मुहावरों के अर्थ और वाक्य प्रयोग कर लिए हैं। आशा है सब बच्चों को यह कार्य अच्छे से समझ में आ गया होगा। अब मैं आपको गृहकार्य दूँगी।

गृहकार्य:- सभी बच्चे इस कराए गए कार्य को अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे और याद करेंगे।
धन्यवाद।

(अंतिम पृष्ठ - 5)

Scanned with CamScanner